उर्दू दैनिक तामीर के २५ वे साल में क़दम रखने पर एक और पेशकश

दैनिक भारत कि

तामीर

संपादक – काझी मकदूम शफीउद्दीन hinditameer@gmail.com

बीड (महाराष्ट्र) वर्ष - 1 ला अंक - १४४ वा सोमवार २३ दिसंबर २०२४ RNI TITLE CODE : MAHHIN11405/120/1/3/2024 किमत २ रुपये पन्ने - ४

सरपंच के कातिलों को सख्त सजा होगी : कावत

बीड के जनता के लिए 24 घंटे उपलब्ध हूं

बीड़, 22 दिसंबर (तामीर न्यूज): आईपीएस अधिकारी नवनीत कावत को बीड़ के पुलिस अधीक्षक के रूप में नियुक्त किया गया है। इसके अनुसार, नवनीत कावात ने शनिवार रात 11 बजे पदभार ग्रहण किया और तुरंत कार्य करना शुरू कर दिया।

रविवार सुबह उन्होंने पुलिस प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की, जिले की स्थिति की समीक्षा की और कई निर्देश जारी किए। इस बैठक के बाद उन्होंने मीडिया के माध्यम से अपनी भूमिका और जिम्मेदारियों को स्पष्ट करते हुए जिले की जनता की सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपनी प्रतिबद्धता जताई। उन्होंने यह भरोसा दिलाया कि वह जिले को सुरक्षित रखने के लिए 24 घंटे सतर्क रहेंगे और पूरी मेहनत से सार्वजनिक सुरक्षा को सुनिश्चित करेंगे।

इसके अलावा, उन्होंने स्थानीय अधिकारियों के साथ बैठक कर जिले की समस्याओं के समाधान के लिए आगे के निर्देश जारी करने की योजना बनाई है।

नवनीत कावत इससे पहले लोणावला, उस्मानाबाद (धाराशिव)में डिप्टी सुपरिंटेंडेंट ऑफ पुलिस और छत्रपति संभाजीनगर (औरंगाबाद)में सहायक पुलिस अधीक्षक के रूप में अपनी जिम्मेदारियां सफलतापूर्वक निभा चुके हैं। बीड़ में पुलिस अधीक्षक के रूप में यह उनकी पहली नियुक्ति है। पदभार ग्रहण करने के बाद उन्होंने प्रेस के समक्ष अपनी प्राथमिकताएं स्पष्ट कीं, जिसमें उन्होंने कहा कि जिले में सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करना उनका मुख्य फोकस रहेगा।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि कानून सभी के लिए समान है और कानूनी खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि किसी भी गैरकानूनी गतिविधि को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और जिले को शांतिपूर्ण बनाए रखने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

व फारार मुजरिमो को तलाश करके सकत सजा का चयन किया जाएगा इस मामले में जो गिरफ्तारीयां हूवी है उन से पूछताछ के दौरान आरोपी ने पहले किए गए अपराधों को स्वीकार किया, और इस मामले में उन्होंने अपनी विश्वसनीयता दिखाई। इसी के अनुसार, रविवार सुबह प्रोटोकॉल और नियमों का पालन करना आवश्यक है। उन्होंने चेतावनी दी कि जो लोग कानून का उल्लंघन करेंगे या जिले में अवैध गतिविधियों में संलिप्त होंगे, उनके बीड़ जिले के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को इस स्थिति के बारे में सूचित किया गया। इस समय अपर पुलिस अधीक्षक सचिन पांडकर, डिप्टी एसपी विश्वंभर गोल्डे, उमेश कस्तुरे, लोकल क्राइम ब्रांच के निरीक्षक उस्मान शेख, शीतलकुमार बल्लाल, मारोती खेडकर, शिवाजी बंडेवाद, अशोक मोदीराज, श्री गाड और डिप्टी एसपी कुलकर्णी समेत अन्य अधिकारी मौजूद थे। कल, बीड़ जिले के अधिकारियों को एक बैठक में अपने कर्तव्यों को ईमानदारी से निभाने के निर्देश दिए जाएंगे।

झूठे मामले दर्ज करने वालों पर कड़ी नजर

बीड़ जिले में कई लोग गरीब और कमजोर वर्ग के लोगों को परेशान करने के लिए झूठे मामले दर्ज करवा रहे हैं। ऐसे कृत्यों को रोकने के लिए, पुलिस अधीक्षक नवनीत कांवट ने ऐसे व्यक्तियों पर कड़ी नजर रखने का निर्णय लिया है।

स्व. संतोष देशमुख को न्याय दिलाने के लिए सभी दल, समाज और संगठन आएंगे साथ

आंदोलन की तैयारी के लिए कल सामूहिक बैठक

बीड : केज तालुका के मस्साजोग गांव के सरपंच स्व. संतोष देशमुख की अमानवीय और नृशंस हत्या के मामले में न्याय दिलाने के लिए सभी राजनीतिक दल, समाज और संगठन एकजुट होकर आंदोलन करेंगे। इस आंदोलन की तैयारी के लिए सोमवार (23 दिसम्बर) को सुबह 10 बजे बीड शहर के आशीर्वाद लॉन्स में सामूहिक बैठक आयोजित की गई है।

मस्साजोग के सरपंच स्व. संतोष देशमुख की हत्या ने पूरे महाराष्ट्र को हिला कर रख दिया है। उनकी हत्या बेहद निर्दयी तरीके से की गई, जिससे पूरे जिले में डर का माहौल बन गया

है। 14 दिन बीत जाने के बावजूद स्व. देशमुख के हत्यारे और इस साजिश के सूत्रधार अभी भी आज़ाद घूम रहे हैं। इतने गंभीर मामले के बावजूद प्रशासन आरोपियों को गिरफ्तार करने में ढिलाई बरत रहा है। यह कहा जा रहा है कि आरोपी राजनीतिक संरक्षण में हैं, जिस वजह से उन्हें पकड़ा नहीं जा रहा। सत्ता का यह दुरुपयोग आम जनता के लिए खतरनाक साबित हो रहा है।

इसी कारण बीड जिले के सभी दलों, विचारों और समाज के लोग मिलकर एक समावेशी आंदोलन खड़ा करेंगे। इस आंदोलन की तैयारी के लिए आयोजित सामूहिक बैठक में सभी दलों, संगठनों और विचारधाराओं के लोगों से शामिल होने की अपील संयोजकों की तरफ से की गई है।

कुवैत में मोदी का औपचारिक स्वागत, दिया गया गार्ड ऑफ ऑनर

कुवैत में मोदी का औपचारिक स्वागत, दिया गया गार्ड ऑफ ऑनर

कुवैत सिटी/नयी दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का रविवार को कुवैत सिटी के बयान पैलेस में औपचारिक स्वागत किया गया और उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर से सम्मानित किया गया।

श्री मोदी की कुवैती नेतृत्व के साथ द्विपक्षीय वार्ता करने से पहले कुवैत के प्रधानमंत्री शेख अहमद अब्दुल्ला अल-अहमद अल-सबा ने उनकी अगवानी की। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने 'एक्स' पर कहा, "प्रधानमंत्री की ऐतिहासिक यात्रा पर विशेष स्वागत! प्रधानमंत्री

नरेन्द्र मोदी का बयान पैलेस में पहुंचने पर औपचारिक स्वागत और गार्ड ऑफ ऑनर। कुवैत के प्रधानमंत्री महामहिम शेख अहमद अब्दुल्ला अल-अहमद अल-सबा ने गर्मजोशी से स्वागत किया। महामहिम अमीर, क्राउन प्रिंस और कुवैत के प्रधानमंत्री के साथ व्यापक बातचीत होगी।"

कुवैत द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, कुवैती और भारतीय पक्षों ने दोनों मित्र देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों, लोगों, विभिन्न क्षेत्रों में संबंधों को बढ़ावा देने के साधनों, सहयोग के विस्तार, आम चिंता के प्रमुख मुद्दों तथा क्षेत्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय क्षेत्रों में नवीनतम विकास पर चर्चा की।

महाकुंभ में 20 जनवरी को देशभर के महापौर करेंगे शिरकत

प्रयागराज,21 दिसंबर (वार्ता) दुनिया के सबसे बड़े आध्यात्मिक और सांस्कृतिक समागम महाकुंभ में 20 जनवरी को देशभर के महापौर शिरकत करेंगे।

प्रयागराज के महापौर उमेशचंद्र गणेश केसरवानी ने रविवार को बताया कि वह पिछले दिनों जयपुर में तीन दिवसीय अखिल भारतीय मेयर समिट में हिस्सा लेने गए थे।

समिट में ही श्री केसरवानी ने देश के अलग-अलग शहरों से आए महापौरों को महाकुंभ में भाग लेने के लिए न्योता दिया।

उन्होंने बताया कि आध्यात्मिक महाकुंभ की विशेषता पर बोलते हुए राजस्थान के आम लोगों को

महाकुंभ के आध्यात्मिक महात्म को समझने के लिए प्रयागराज आने को आमंत्रित किया।

श्री केसरवानी ने बताया कि समिट में राजस्थान के उप मुख्यमंत्री प्रेमचंद बेरवा और नगर विकास मंत्री झाबर सिंह भी उपस्थित थे। उन्होंने बताया कि उपस्थित महापौरों ने हालांकि 20 जनवरी को आने के लिए कहा है लेकिन हो सकता है लोग अपनी सुविधा के अनुसार पहुचे।

खड़गे बोले- चुनाव नियम बदलना सरकार की सोची-समझी साजिश

नई दिल्ली : चुनाव आयोग की सिफारिश पर कानून मंत्रालय ने द कंडक्ट ऑफ इलेक्शन रूल- 1961 के नियम में बदलाव किया है। वोटिंग नियमों में बदलाव को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि मोदी सरकार ने चुनाव आयोग (ECI) की स्वतंत्रता पर हमला किया है।

रविवार सुबह X पर पोस्ट में उन्होंने कहा- पहले मोदी सरकार ने CJI को चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति करने वाले पैनल से हटा दिया था और अब वे चुनावी जानकारी को जनता से छिपाना चाह रहे हैं। यह सरकार की सोची-समझी साजिश है।

जब भी कांग्रेस ने इलेक्शन कमीशन को वोटर लिस्ट से नाम हटाए जाने और EVM में ट्रांसपेरेंसी के बारे में लिखा, तो ECI ने अपमानजनक लहजे में जवाब दिया और हमारी शिकायतों को भी स्वीकार नहीं किया।

दरअसल, केंद्र सरकार ने 20 दिसंबर को पोलिंग स्टेशन के CCTV, वेबकास्टिंग फुटेज और उम्मीदवारों की वीडियो रिकॉर्डिंग जैसे कुछ इलेक्ट्रॉनिक डॉक्यूमेंट्स को पब्लिक करने से रोकने के लिए चुनाव नियमों में बदलाव किया था।

अधिकारियों ने बताया कि AI के इस्तेमाल से पोलिंग स्टेशन के CCTV फुटेज से छेड़छाड़ करके फेक नैरेटिव फैलाया जा सकता है। बदलाव के बाद भी ये कैंडिडेट्स के लिए उपलब्ध रहेंगे। अन्य लोग इसे लेने के लिए कोर्ट जा सकते हैं।

श्रीनगर में पारा -4 से नीचे, झरनों का पानी जमा:हिमाचल में बर्फबारी का अलर्ट

श्रीनगर : कश्मीर के 40 दिन के सबसे ठंडे मौसम चिल्लई कलां की शुरुआत हो गई है। यहां तापमान -4.6 डिग्री तक पहुंच गया है। - Dainik Bhaskar

कश्मीर के 40 दिन के सबसे ठंडे मौसम चिल्लई कलां की शुरुआत हो गई है। यहां तापमान -4.6 डिग्री तक पहुंच गया है।

देश के उत्तरी राज्यों में तेज सर्दी का दौर जारी है। जम्मू-कश्मीर, लद्दाख और हिमाचल प्रदेश के कई इलाकों में में तापमान 0 डिग्री के नीचे बना हुआ है। हिमाचल में आज बर्फबारी का भी अलर्ट जारी किया गया है। इससे तापमान में और भी ज्यादा गिरावट हो सकती है।

पंजाब-हरियाणा में भी

शीतलहर के कारण तापमान में गिरावट दर्ज हुई। चंडीगढ़ में तापमान 0.8 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। वहीं, पंजाब के आदमपुर इलाके में पारा 1.8 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। पंजाब में घना कोहरा भी देखने को मिला। अमृतसर, तरनतारन, बठिंडा, लुधियाना और बरनाला में विजिबिलिटी 100 मीटर दर्ज की गई। बर्फबारी और तेज सर्दी के साथ मौसम विभाग ने कुछ राज्यों में बारिश का भी अलर्ट जारी किया है। उत्तर प्रदेश के 6 जिलों आज बारिश का भी अलर्ट जारी किया गया है। वहीं, मध्य प्रदेश राजस्थान में कल से बारिश होने की संभावना जताई गई है।

संजय गांधी और श्रावणबाल योजनाओं के जरिए जरूरतमंदों को मिलेगा सहारा

बीड के विधायक संदीप क्षीरसागर की मेहनत रंग लाई

बीड : बीड तालुका के कई जरूरतमंद लोगों को अब संजय गांधी निराधार योजना और श्रावणबाल योजना के तहत मदद मिलेगी। लंबे समय से अटकी हुई इन योजनाओं की मंजूरी अब पूरी हो गई है और नए लाभार्थियों की सूची तैयार की गई है। विधायक संदीप क्षीरसागर ने प्रशासनिक स्तर पर लगातार प्रयास किए, जिससे यह सफलता मिली है।

श्रावणबाल योजना, जो बुजुर्ग और बेसहारा नागरिकों को उनके गुजारे के लिए आर्थिक सहायता देती है, और संजय गांधी निराधार योजना, जो विकलांग, अंध, अनाथ, लंबी बीमारी से पीड़ित लोग, तलाकशुदा महिलाएं और अन्य जरूरतमंदों को मदद देती है, इन योजनाओं पर काफी समय से काम रुका हुआ था। समिति की बैठकें न होने की वजह से गरीब और जरूरतमंद लोग

इन योजनाओं के लाभ से वंचित रह रहे थे। आवेदन देने के बावजूद लोगों को मंजूरी के लिए लंबा इंतजार करना पड़ा।

विधायक संदीप क्षीरसागर ने प्रशासनिक स्तर पर बार-बार बैठकें कीं और संबंधित समितियों को निर्देश दिया कि वे पात्र लाभार्थियों की नई सूची बनाएं और यह सुनिश्चित करें कि मदद सही और जरूरतमंद लोगों तक पहुंचे।

श्रावणबाल सेवा राज्य निवृत्ति वेतन योजना के तहत, बीड तालुका के ग्रामीण क्षेत्रों से 129 और शहरी क्षेत्रों से 97 आवेदन मंजूर किए गए हैं। इसी तरह, संजय गांधी निराधार पेंशन योजना के तहत ग्रामीण इलाकों से 112 और शहरी इलाकों से 76 पात्र लाभार्थियों के आवेदन स्वीकृत किए गए हैं। तहसीलदार के नेतृत्व में हुई बैठकों के बाद इन नए लाभार्थियों को योजनाओं की सूची में शामिल किया गया।

इससे लंबे समय से मदद का इंतजार कर रहे गरीब और जरूरतमंद लोगों को बड़ी राहत मिली है। इस उपलब्धि में विधायक संदीप क्षीरसागर का अहम योगदान रहा है। साथ ही, उन्होंने अपील की है कि जिन लाभार्थियों के आवेदन में कमी रह गई है, वे जल्द से जल्द अपनी त्रुटियां सुधारें ताकि वे भी इन योजनाओं का लाभ ले सकें।

अगर राशन दुकानदार पैसे मांग रहा हो, तो तहसीलदार या मुझसे संपर्क करें - आलम

बीड (प्रतिनिधि): बीड शहर के राशन दुकानदारों का व्यवहार कब कैसा होगा, यह कहा नहीं जा सकता। समय पर राशन नहीं देना, देने पर नियमों का पालन न करना, और राशन कार्ड धारकों से बदतमीजी से बात करना आम हो गया है। अब तो केवाईसी के नाम पर कार्ड धारकों से 100 रुपये वसूलने की लूट शुरू कर दी गई है। इसके अलावा, राशन निकालने के लिए केवाईसी के बहाने लोगों के अंगूठे का इस्तेमाल किया जा रहा है। खास बात यह है कि दिसंबर महीने के राशन का ट्रांजेक्शन भी किया जा रहा है, लेकिन लाभार्थियों को इसकी कोई जानकारी नहीं है। यह सवाल उठ रहा है कि जिनका ट्रांजेक्शन हो चुका है,

क्या उन्हें दिसंबर का राशन मिलेगा या नहीं? इस पर वरिष्ठ अधिकारियों का ध्यान जाएगा या नहीं? बीड के राशन दुकानदार अपनी मनमानी कर रहे हैं। अपनी मर्जी से नए-नए नियम लागू करने की कोशिश कर रहे हैं। गरीब लाभार्थियों को भ्रमित कर केवाईसी के नाम पर राशन हड़पने का गोरखधंधा चल रहा है। जबकि सरकार की तरफ से केवाईसी मुफ्त है, फिर भी केवाईसी के नाम पर 100-100 रुपये मांगे जा रहे हैं।

इस बारे में जब हमने बीड के तहसीलदार चंद्रकांत शेलके से बात की, तो उन्होंने कहा कि केवाईसी मुफ्त है। इसलिए, नागरिकों से अनुरोध है कि अगर आपका राशन दुकानदार केवाईसी के लिए पैसे मांग रहा हो, तो तुरंत मुझसे (मो. 9822887039 - खुर्शीद आलम) या चंद्रकांत शेलके (मो. 9595184545) से संपर्क करें। यह अपील राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के बीड शहर अध्यक्ष और पूर्व सभापति खुर्शीद आलम ने की है।

मुंबई में 4 साल के बच्चे को SUV ने रौंदा

सड़क किनारे खेल रहा था; फैमिली फुटपाथ पर रहती थी

मुंबई : पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार किया गया क्रेटा कार चालक नशे में था या नहीं, इसकी जांच की जा रही है। - Dainik Bhaskar

पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार किया गया क्रेटा कार चालक नशे में था या नहीं, इसकी जांच की जा रही है।

मुंबई में 19 साल के क्रेटा चला रहे एक युवक ने 4 साल के बच्चे को रौंद दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि घटना शनिवार शाम को करीब 5 बजे हुई है, तब बच्चा सड़क किनारे खेल रहा था।

मृतक बच्चे का नाम आरुष किनवाड़े है। उसकी फैमिली वडाला इलाके में अंबेडकर कॉलेज के पास फुटपाथ पर रहती है। शनिवार को बच्चा फुटपाथ के पास ही खेल रहा था। इसी दौरान तेज रफ्तार से SUV कार चला रहे युवक ने आरुष पर कार चढ़ा दी।

पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। उसका नाम भूषण संदीप गोले है। वह विले पार्ले का रहने वाला है। एक्सीडेंट को लेकर अभी ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है। 12 दिन पहले भी मुंबई में BEST बस ने 30 लोगों को कुचला था। पुलिस ने बताया कि आरोपी भूषण संदीप गोले को गिरफ्तार कर उसका मेडिकल कराया गया है। वह नशे में कार चला रहा था या नहीं, इसकी जांच की जा रही है। बच्चे की बॉडी को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। जांच के बाद ही जानकारी दी जाएगी।

मुंबई में 12 दिन पहले बस ने 30 लोगों को कुचला

मुंबई के कुर्ला में 8 दिसंबर को BEST बस ने करीब 30 लोगों को कुचल दिया था, जिसमें चार की मौत हो गई और 26 लोग घायल हुए। हादसा कुर्ला पश्चिम रेलवे स्टेशन रोड पर अंबेडकर नगर में हुआ। बस कुर्ला स्टेशन से अंधेरी जा रही थी।

देश में 5 साल में सड़क हादसों में 7.77 लाख मौतें, महाराष्ट्र में 66 हजार

देश में पिछले 5 साल में सड़क हादसों में 7.77 लाख मौतें हुई हैं। सबसे ज्यादा 1.08 लाख मौतें उत्तर प्रदेश में हुई हैं। इसके बाद तमिलनाडु 84 हजार मौत और महाराष्ट्र 66 हजार मौत के साथ दूसरे और तीसरे नंबर पर हैं। अलग-अलग राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की तरफ से जारी किए गए 2018 से 2022 के डेटा के आधार पर रोड ट्रांसपोर्ट एंड हाईवे मिनिस्ट्री ने 'रोड एक्सीडेंट इन इंडिया, 2022' रिपोर्ट जारी की है।

जासूसी के शिकार 1400 यूजर्स में शामिल 300 भारतीय; देश में पेगासस पर फिर छिड़ सकती है बहस

नई दिल्ली : भारतीय राजनीति में पेगासस जासूसी सॉफ्टवेयर एक बड़ा मुद्दा रहा और अमेरिकी कोर्ट के इजरायली NSO ग्रुप को लेकर आए फैसले के चलते, भारत में एक बार फिर पेगासस विवाद पर बहस छिड़ सकती है। अमेरिकी अदालत ने एनएसओ ग्रुप को पेगासस के लिए जिम्मेदार ठहराया और कहा है कि कंपनी इस पूरे विवाद के लिए जवाबदेह है।

अमेरिका कोर्ट का यह फैसला WhatsApp द्वारा NSO ग्रुप के खिलाफ दायर केस में आया है। इस केस को सुनने वाले जज फिलिस हैमिल्टन ने कहा है कि इजरायली स्पाईवेयर निर्माता 1400 वॉट्सऐप यूजर्स को टारगेट करने के लिए आरोपी है। जज ने कहा कि यह अमेरिकी कानून का उल्लंघन करने के लिए NSO ग्रुप भी उत्तरदायी है।

भारत में भी पेगासस के जरिए जासूसी का आरोप

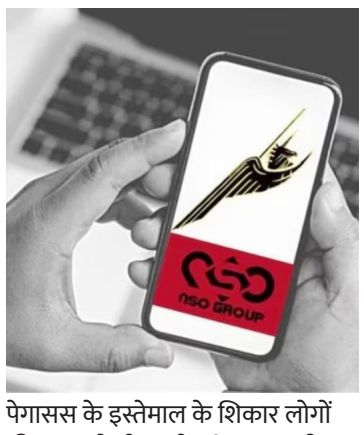

पेगासस के इस्तेमाल के शिकार लोगों की बात करें तो इसमें वरिष्ठ सरकारी अधिकारी, पत्रकार, मानवाधिकार कार्यकर्ता, राजनीतिक असंतुष्ट और राजनयिक शामिल हैं। भारत में पेगासस कथित तौर पर पत्रकारों, राजनेताओं, केंद्रीय मंत्रियों और कुछ सामाजिक सदस्यों के डिजिटल गैजेट्स में लगाया गया था।

अमेरिका में राष्ट्रपति जो बाइडेन के प्रशासन ने 2021 में NSO समूह को ब्लैक लिस्ट सूची में डाल दिया और अमेरिकी सरकारी एजेंसियों को इसके प्रोडक्ट्स खरीदने से रोक दिया था। आरोप है कि पेगासस को इस्तेमाल दुनियाभर के देशों में सत्ताधारी सरकारों की पार्टियों ने हैकिंग और जासूसी के लिए किया है।

भारत को लेकर 2021 में हुआ था खुलासा

साल 2021 में एक रिपोर्ट में यह खुलासा किया गया था कि पेगासस का उपयोग 300 से अधिक भारतीय मोबाइल नंबरों पर भी किया गया था। इनमें नरेंद्र मोदी सरकार के दो मंत्री, तीन विपक्षी नेता, एक संवैधानिक प्राधिकरण, कई पत्रकार और व्यवसायी शामिल थे। इस खुलासे ने केंद्र सरकार और राज्य सरकारों पर सवाल खड़े कर दिए।

आईफोन फिर पेगासस का खतरा?

केंद्र की मोदी सरकार और राज्यों की सरकारों पर आरोप इसलिए भी लगाए गए क्योंकि एनएसओ ग्रुप ने बार-बार स्पष्ट तौर पर यह कहा कि वह केवल सरकारों और सरकारी एजेंसियों से ही डील करता है।

हालांकि यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि व्हाट्सएप बनाम एनएसओ ग्रुप मामले के हिस्से के रूप में बिना सील किए गए दस्तावेजों से पता चला है कि एनएसओ ग्रुप ने सालों तक पेगासस की तैनाती में अपनी भूमिका को कम करके आंका था।

भारत सरकार ने किया था आरोपों का खंडन

2021 की मीडिया रिपोर्ट्स के बाद भारत सरकार ने पेगासस के इस्तेमाल के दावों का खंडन किया और कहा कि वह किसी भी तरह की जासूसी में शामिल नहीं है। उस समय संसद में दिए गए एक बयान में आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि रिपोर्टों में कोई तथ्य नहीं है। आईटी मंत्री ने कहा कि भारत के

इतना बवाल हुआ, 10 सालों का रिकॉर्ड टूटा...

विंटर सेशन में सबसे कम चली संसद

नई दिल्ली : संसद का शीतकालीन सत्र हंगामे के साथ खत्म हो गया, हैरानी की बात यह रही कि इस बार काम इतना कम हुआ कि 10 सालों का सीधे रिकॉर्ड टूटा। पीएम मोदी ने जब से सत्ता संभाली है, इस बार संसद की सबसे कम प्रोडक्टिविटी देखने को मिली। बड़ी बात यह है कि ऐसा शर्मनाक रिकॉर्ड तब बना है जब इसी साल मानसून सेशन उतना ही बेतहीन काम देखने को मिला था। इन्हीं नेताओं ने कई घंटों तक संसद को चलाया और कई मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई।

PRS Legislative Research के आंकड़े अगर ध्यान से देखें तो पता चलता है कि पिछले 10 सालों में इस बार लोकसभा और राज्यसभा सबसे कम चली है। इस बार लोकसभा की प्रोडक्टिविटी मात्र 52 फीसदी दर्ज की गई है, दूसरे शब्दों में बोले तो 62 घंटे। पिछले 10 सालों में सिर्फ 8 और ऐसे सत्र देखने को मिला है जहां काम ना के बराबर देखने को मिला।

संसद में कितना काम हुआ?

वैसे जो इस साल बजट सेशन हुआ था, तब 135 प्रतिशत की अप्रत्याशित प्रोडक्टिविटी देखने को मिली, यानी कि 115 घंटे के करीब संसद ने काम किया। अगर उन आंकड़ों से इस बार की तुलना की जाए तो कुछ भी काम नहीं हुआ है। राज्यसभा की बात करें तो वहां भी इस बार मात्र 44 घंटे काम हुआ है, जिसे सिर्फ 39 फीसदी माना जाएगा। मानसून सत्र में तो राज्यसभा में 93 घंटे काम हुआ था, 112% की प्रोडक्टिविटी दर्ज की गई थी।

इस सत्र में सबसे कम बिल भी पारित होते दिखे। सरकार ने पांच बिल पेश किए, लेकिन चार ही पारित हो पाए। पिछले पांच सालों में यह सबसे खराब प्रदर्शन रहा। इस बार की संसद 25 नवंबर को शुरू हुई थी, 29 नवंबर तक सिर्फ 40 मिनट की कार्यवाही हुई, यानी कि 4 दिनों में सिर्फ 40 मिनट। इसी तरह अगर 16 दिसंबर से 20 दिसंबर तक का हाल देखें तो फिर बवाल ही ज्यादा रहा और काम ना के बराबर। आखिर के चार दिनों में संविधान पर बहस हुई, एक देश एक चुनाव बिल पेश हुआ और धक्का मुक्की वाले कांड ने विवाद खड़ा किया।

जब संसद नहीं चलता, कितना नुकसान?

असल में यह जो संसद की कार्यवाही चलती है, हर मिनट ढाई लाख खर्च हो रहा है। एक घंटे के हिसाब से देखें तो 1.5 करोड़ रुपये खर्च हो रहे हैं। बड़ी बात यह है कि यो जो सारा पैसा संसद चलाने में इस्तेमाल हो रहा है, वो आम जनता के टैक्स का पैसा है।

राहुल गांधी को जाति जनगणना के मुद्दे पर आया कानूनी नोटिस

नई दिल्ली : राहुल की निचली अदालत ने बढ़ाईं मुश्किल (Photo: ANI)

Rahul Gandhi News: लोकसभा चुनाव 2024 (Lok Sabha Chunav 2024) के दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी (Rahul Gandhi) ने जाति जनगणना का मुद्दा जोर-शोर से उठाया था। कांग्रेस (Congress) को इसका फायदा भी मिला। अभी-भी राहुल गांधी ने जातिगत जनगणना (Caste Census) के मुद्दे पर बयान देते रहे हैं। इस बीच बरेली कोर्ट (Bareilly Court) ने उन्हें नोटिस जारी कर दिया है और 7 जनवरी को पेश होने की बात कही है।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ बरेली कोर्ट ने जारी नोटिस पर कांग्रेस पार्टी (Congress) भड़क गई है। कांग्रेस के नेता और पूर्व सांसद उदित राज (Udit Raj) ने तो यह तक कह दिया है कि ऐसे जजों को तुरंत ही बर्खास्त कर दिया जाना चाहिए। याचिकाकर्ता ने राहुल गांधी पर क्या कहा? राहुल गांधी के जातिगत जनगणना के मुद्दे पर याचिकाकर्ता पंकज पाठक ने कोर्ट का रुख किया और कहा कि हमें लगा कि जाति जनगणना पर चुनाव के दौरान राहुल गांधी द्वारा दिया गया बयान देश गृहयुद्ध शुरू करने की कोशिश जैसा है। याचिकाकर्ता ने कहा कि हमने पहले MP-MLA कोर्ट में उनके खिलाफ मामला दायर किया था, जिसका खारिज कर दिया गया था। उसके बाद वे जिला जज कोर्ट गए वहां हमारी अपील स्वीकार कर ली गई।

जयपुर हादसे में झुलसे हुए 30 लोगों के लिए सीढ़ी बनी लाइफलाइन

नई दिल्ली : राजस्थान के जयपुर में टैंकर से एलपीजी रिसाव की वजह से आग लगने के बाद जले हुए 30 पीड़ितों ने जयपुर-अजमेर हाईवे से सटे एक फार्महाउस में शरण ली थी। खेत के बीच में एक अस्थायी घर में रहने वाले परिवार ने मदद के लिए चिल्लाने की आवाजें सुनीं। इसके बाद उन्होंने अपने घर के गेट खोले और बाहर का डराने वाला मंजर देखा। परिवार के मुखिया भंवर लाल ने टॉइम्स ऑफ इंडिया को बताया, 'वे कपड़े, पानी और अपने दर्द को कम करने के लिए कुछ मांग रहे थे।' उन्होंने आगे बताया कि उनकी स्किन जल गई थी और उनमें से कई के मुंह में से आवाज भी नहीं निकल पा रही थी।

कंडोई अस्तपाल करीब डेढ़ किलोमीटर की दूरी पर था, लेकिन वहां पर पहुंचने के लिए खेत और आठ फीट की दीवार को पार करके जाना पड़ता। आग में झुलसे लोग गंभीर तरीके से घायल थे और उनके लिए दीवार को पार करना आसान नहीं लग रहा था। तभी किसान परिवार के एक सदस्य राकेश सैनी ने मदद करने की ठानी। उसने एक सीढ़ी को लिया और दीवार के सहारे टेक दिया। इस सीढ़ी की वजह से पीड़ितो को नई जिंदगी भी मिली।

लोग दर्द से बुरी तरह चिल्ला रहे थे

सैनी ने बताया, 'मैंने कम से कम 30 लोगों को आग की लपटों से भागते हुए हमारे खेतों की ओर जाते देखा। वे दर्द से कराह रहे थे और बुरी तरह से चिल्ला रहे थे। इतना ही नहीं उनके कपड़े भी जल चुके थे। मैंने बिना सोचे समझे सीढ़ी उठा ली।' हालांकि, सैनी को एहसास हुआ कि कई लोग इतने कमजोर थे कि वे खुद सीढ़ी पर चढ़ नहीं सकते थे। एक-एक करके उन्होंने उन सभी को सीढ़ी पर चढ़ने में और दीवार को फांदने में मदद की।

छोटी सी पोटली में समा गया शरीर, DNA सैंपल से हो रही पहचान

दैनिक भारत की तामीर अखबार के मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक काजी मखदूम शफीउद्दीन ने आरएम प्रिंटरर्स, बार्शी रोड, बीड 431122 महाराष्ट्र में मुद्रित कर के दैनिक तामीर, नगर परिषद परिसर, बशीर गंज, बीड, महाराष्ट्र कार्यालय से प्रकाशित किया है। मोबाइल : 9270574444 ईमेल : hinditameer@gmail.com वेबसाइट : www.dailytameer.com

daily Bharat ki tameer newspaper owner printer publisher editor Quazi makhdoom shafiuddin has printed at RM printers barshi road beed 431122 Maharashtra at published at office daily tameer nagar parishad complex Bashir gunj beed Maharashtra. Mobile : 9270574444 Email : hinditameer@gmail.com Website : www.dailytameer.com